tfod i'k/ku mRiknu e lfVfQdV ikBîØe

युवा लोगों को आय के स्रोत के रूप में पशुपालन अपनाने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए राजुवास द्वारा 2 माह की अवधि के कुछ सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों का प्रारूप तैयार किया गया। यह पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात इच्छुक लाभार्थियों को उन्नत ज्ञान हासिल करने का अवसर प्राप्त होगा। इन सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों का प्रारूप ऐसा है कि यदि कोई भी व्यक्ति इन्हें सफलतापूर्वक पूर्ण कर ले तो स्वयं का फार्म स्थापित करने में सक्षम होगा। वह व्यक्ति जो आठवीं स्तर तक शिक्षित हैं, इन पाठ्यक्रमों हेतु नामांकन के लिए पात्र होगा।

1. ikBîØe dk uke: जैविक पशुधन उत्पादन में सर्टिफिकेट कोर्स

2- mí';:

   v. युवा किसानों और उद्यमियों के कौशल को बढ़ाने के लिए

   c- युवा लोगों को पशु पालन, आय का एक स्रोत के रूप में प्रोत्साहित करने के लिए

   l. जैविक पशुधन उत्पादन की दिशा में युवाओं की रुचि बढ़ाने के लिए

   n- पर्यावरण और पशुपालन के बीच एक सामंजस्यपूर्ण संतुलन बनाने के लिए

   ;- जैविक पशु खेतों से प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए

   o- उच्च पोषक तत्वों की गुणवत्ता के पशु उत्पादों का उत्पादन

3. io'k ;kX;rk – मान्यता प्राप्त बोर्ड द्वारा आठवीं कक्षा उतीर्ण अथवा समकक्ष

4. le; vof/k – दो माह।

5. U;ure lhV – 5 (आवश्यकतानुसार परिवर्तित किया जा सकता है)

6. 'kYd jkf'k – 1000/– रू. प्रतिमाह

7. ikB;Øe dk ek/;e – हिन्दी

8. ijh{kk dh fof/k–संबंधित केन्द्रों पर सामान्य परीक्षा लेकर प्रशिक्षणार्थी की योग्यता जांच की जायेगी, सफल पशिक्षणार्थी को पाठ्यक्रम समाप्ति पर प्रमाणपत्र वितरित किये जायेगें।

9. io'k ifØ;k–विश्वविद्यालय द्वारा समाचार पत्रों, विश्वविद्यालय के प्रकाशनों, धीणे री बात्यां रेडियो कार्यक्रम व विश्वविद्यालय वेबसाइट के माध्यम से इन पाठ्यक्रमों की सूचना दी जाएगी तथा प्रत्येक पाठ्यक्रम में न्यूनतम पाँच आवेदन प्राप्त होने पर उनका पाठ्यक्रम अनुदेशक से मूल्यांकन करवा कर पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया जायेगा।

10. vu'kklu fu;ekoyh–विश्वविद्यालय के नियमानुसार।

11. lid l=–प्रो. बंसत बैस, आचार्य, पशुधन उत्पाद प्रौद्योगिकी विभाग,
    डॉ. विजय कुमार, सहायक आचार्य, जैविक पशुधन उत्पाद तकनीकी केन्द्र, वेटरनरी कॉलेज, बीकानेर मो. 9828122277

12. ikB~;Øe–निम्नानुसार

l)kfrd ikBîØe

1. जैविक पशुधन उत्पादन का परिचय एवं अभिप्राय
2. जैविक पशु उत्पादन के उद्देश्य
3. जैविक पशु उत्पादन की अवधारणाएँ
4. जैविक पशुधन उत्पादन के सिद्धांत एवं कार्यप्रणाली
5. पशुओं के जैविक प्रबंधन के लिए सामान्य दृष्टिकोण
6. परम्परागत पशु उत्पादन जैविक पशु उत्पादन
7. जैविक पशु उत्पादन में स्वदेशी पशु नस्लों की भूमिका।
8. 100 प्रतिशत जैविक फीड की आपूर्ति का समर्थन करने के लिए स्थानीय फीड का योगदान
9. जैविक पशु खेतों पर पशु कल्याण और पशुओं के रहने की स्थिति
10. जैविक पशु फार्म पर रोगों की रोकथाम , उनका स्वास्थ्य प्रबंधन और रोगग्रस्त पशुओं के उपचार की विधियां
11. जैविक पशु फार्म पर रखे जाने वाले विभिन्न आलेख (जैविक प्रमाणीकरण हेतु विभिन्न रिकॉर्ड रखने की आवश्यकता है)
12. जैविक पशु उत्पादन के प्रकार अर्थात जैविक डेयरी फार्मिंग जैविक भेड़ और बकरी उत्पादन, जैविक पोल्ट्री उत्पादन, जैविक सूअर उत्पादन आदि
13. जानवरों के लिए जैविक चारा उत्पादन में वर्मीकम्पोस्ट और एनिमल फार्म वेस्ट का प्रयोग
14. मानव स्वास्थ्य में जैविक पशु उत्पादों अर्थात जैविक दूध, जैविक अंडा और जैविक मांस इत्यादि की भूमिका

ik;kfxd

1. विभिन्न जैविक पशु फार्मों का भ्रमण
2. जैविक पशु उत्पादन के लिए स्वदेशी पशु नस्लों का अध्ययन
3. जैविक पशु उत्पादन के लिए पशुओं के रहने की स्थिति एवं उनके आवास का अध्ययन
4. जैविक चारा उत्पादन के लिए समृद्ध गोबर की खाद और वर्मीकम्पोस्ट को तैयार करना
5. जैविक पशु चारा के रूप में अजोला की उपयोगिता और फार्म में तैयार करना
6. विभिन्न पशु फार्मों पर जैविक प्रबंधन में अपनाई जाने वाली विभिन्न पद्धतियों का अध्ययन